प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय सदस्यगण,

पंचदश बिहार विधान सभा के पंचदश सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान राजकीय विधेयक, गैर-सरकारी संकल्प तथा वित्तीय वर्ष 2014-15 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन का कार्यक्रम है ।

संसदीय लोकतंत्र के लिए जन-प्रतिनिधियों को संविधान के उपबन्धों तथा विधान मंडल में कार्यों के संचालन हेतु बनाये गये नियमों ओर विनियमों को दृढ़ता से पालन करते हुये जनहित की भावनाओं को सदन में रखना चाहिए । संसदीय लोकतंत्र में विधायी निकाय को सुदृढ़ करने हेतु पक्ष एवं विपक्ष को एक दूसरे की बातों को शांतिपूर्ण ढंग से सुनने तथा उनके विचारधाराओं के संबंध में अपना सुविचार रखने की आवश्यकता है । एक संस्था के रूप में विधान मंडल की विश्वसनीयता माननीय सदस्यों के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन से जुड़ी हुई है । माननीय सदस्यों से सभा के अन्दर ऐसी अपेक्षा की जाती है कि वे नियमों का पालन करते हुए सभा की मर्यादा और गरिमा बनाये रखें तथा सभा से बाहर भी उनका आचरण ऐसा होनी चाहिए कि आम जनता उसे पसन्द करे और विधान सभा जैसे उच्च संस्था की प्रतिष्ठा गुरूत्तर बढ़ता रहे ।

विधायी एवं संसदीय प्रक्रिया से छात्र छात्राओं को अवगत कराने हेतु पूर्व की भांति इस सत्र में भी प्रतिदिन 50 छात्र/छात्राओं (25 छात्र एवं 25 छात्राओं) को सदन के प्रथम पाली की कार्यवाही देखने का अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ।

पूर्व की भांति सदन में प्रश्नोत्तर-काल को आकाशवाणी और दूरदर्शन से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे बिहार के आम-अवाम सदन में आपकी गतिविधियों से रू-ब-रू हो सके । आप अवगत हैं कि बिहार विधान सभा की कार्यवाही को जन-जन तक पहुँचाने के लिए बिहार विधान सभा ने वेबकास्ट सेवा प्रारम्भ की है जिसे **webcast.gov.in/biharvs** पर देखा जा सकता है । साथ ही संसदीय प्रणाली को प्रभावशाली बनाने हेतु बिहार विधान सभा सचिवालय ने प्रश्नों की ऑन लाईन सूचना प्रणाली प्रारम्भ की है, जिससे माननीय सदस्यों को प्रश्न देने, प्रश्नों के उत्तर जानने संबंधी सुविधायें उपलब्ध हुई हैं, जिसे आप **http://blaqrms.bih.nic.in** पर देख सकते हैं तथा उसका भरपूर लाभ ले सकते हैं।

मुझे आशा और विश्वास है कि सदन के संचालन में आप सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा ।